सीवरेज कार्य करने की मियाद समाप्त

सीसी रोड पर डाल रहे डामर

पत्रिका सिटी इश्यू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

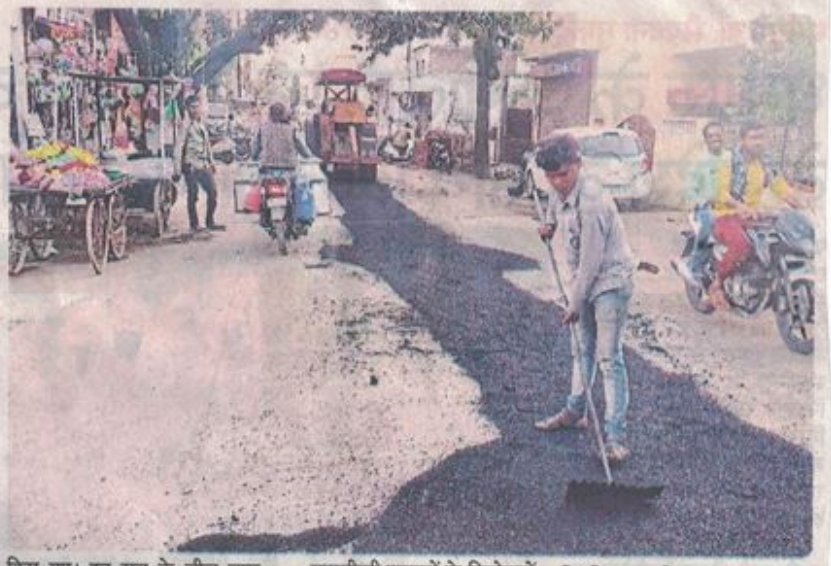

रतलाम. शहर में सीवरेज कार्य पूरा करने की मियाद गुरुवार को समाप्त हो गई। अब कंपनी को 5 दिसंबर तक सीवरेज कार्य के दौरान हुए गड्ढों को भरना है। इसके लिए कंपनी सीसी रोड के उपर ही डामर डालने का कार्य कर रही है। इससे आमजन में नाराजी है।

सीवरेज कार्य को शहर में कितने स्थान पर किया गया इसका निरीक्षण अब नगर निगम करेगा। सीवरेज कार्य करने वाली कंपनी ने अपनी कमी को छीपाने के लिए सीसी रोड पर ही डामर डालकर गड्ढे भर दिए। बता दे कि शहर में करीब 150 किमी से अधिक रोड पर सीवरेज कार्य के दौरान बड़े - बड़े गड्ढे हो गए। इनको लेकर नियम अनुसार सुधार का कार्य सीवरेज कार्य करने वाली कंपनी को ही करना था, लेकिन अधिकांश स्थान पर इस मामले में लापरवाही की गई। इसके बाद कई स्थान पर शहर में आमजन का गुस्सा फट पड़ा। कुछ स्थान पर रोड जाम भी किए गए। इन सब के बीच नगर निगम प्रशासक व कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने चेतावनी जारी की। आयुक्त ने इसके बाद सीवरेज कार्य को पूरा करने के लिए 25 नवंबर की डेड लाइन जारी की थी। इसके बाद 5 दिसंबर तक सीवरेज कार्य से हुए गड्ढों को भरने को कहा गया था। इन सब के बीच कंपनी ने सीसी रोड पर हुए गड्ढों को भरने के लिए डामर की लेयर डाल दी।

तकनीकी मामलों के विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के दौरान सीसी रोड पर डाली गई डामर की लेयर निकल जाएगी। इसके बाद फिर से गड्ढे सामने आ जाएंगे। मावठा की बारिश हर बार दिसंबर माह में दूसरे पखवाड़े में होती है। ऐसे में एक माह भी डामर की लेयर टीक पाएगी या नहीं, इसकी ग्यारंटी निगम के अधिकारी भी नहीं ले रहे हैं।

निरीक्षण के बाद लेंगे निर्णय

सीवरेज कार्य पूरा करने के लिए मियाद दी गई थी। अब निगम की टीम निरीक्षण करेगी व कार्य पूरा हुआ या नहीं यह देखा जाएगा। इसी दौरान गड्ढों की भी समीक्षा की जाएगी। - **सोमनाथ झारिया**, आयुक्त नगर निगम

पत्रिका 26/11/21

विद्युत पोल की लाइटें बंद होने से क्षेत्रवासी परेशान

२१५

रतलाम। शहर के बीच स्थित शास्त्रीनगर कालोनी कारगिल बगीचे के सामने चौराहे पर कई दिनों से विद्युत पोल की लाईटे बंद है, जिससे वहा के रहवासी परेशान है। कई बार नगर निगम में रहवासियों द्वारा खराब लाईटो की शिकायत की गई किन्तु कोई सुनवाई नही की गई। आज तक कोई कार्रवाई नही की गई। वहां चौराहा होने के कारण गाडियों का आना जाना निरंतर लगा रहता है जिस कारण कोई बड़ी दुर्घटना होने का अंदेशा भी बना रहता है।नगर निगम में आए दिन खराब लाईटों से संबंधित रोजाना ही शिकायते पहुंचती रहती है लेकिन इससे संबंधित विभाग द्वारा कोई सुनवाई नही की जा रही है। शिकायतों का तय समय पर समाधान नही होने की दशा में नागरिकों को अंधेरे में परेशान होना पड रहा है। किसी बुजुर्ग व ब%चों का वाहन से टकराने का हर समय डर बना रहता है। महिलाओं में भी भय का माहौल व्याप्त है। लोगों को अंधेरे में सड़क पार करना भी दुभर हो गया है। साथ ही राह चलते हुए मवेशी भी अंधेरे में नजर नही आते है। जिस कारण हादसे
डर बना रहता है। शास्त्रीनगर रहवासी भाजपा वार्ड अध्
संतोष कोलम्बर ने बताया कि कई बार नगर निगम
शिकायत की गई तो कहा जाता है कि पर्याप्त मात्रा में साम
नही है। कई बार फोन पर भी शिकायत की गई, लेकिन नि
द्वारा कोई सुनवाई नही हो रही है। निगम की इलेक्ट्रीकल
का कहना है कि एलईडी नही है, आएगी तब लगाएंगे तो व
तब तक नागरिकों को सड़कों पर अंधेरे के चलते
आवागमन करना पडेगा। शहर में संपूर्ण प्रकाश की व्यव
का ठेका ईएसएल कंपनी को दिया गया है वहां के कर्म
अली से बात करने पर कहा गया है कि बिजली का प
सामान उपलब्ध नही है, आएगा जब ठीक कर दी जाएगी

राजएक्सप्रेस २६/११/२१

मंजूरी के बाद निर्माण कार्यों का करना था सर्वे

निगम के 10 उपयंत्रियों की वेतन वृद्धि रोकने के आदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. नगर निगम के उपयंत्रियों द्वारा पूर्व में जारी किए गए निर्माण कार्य की मंजूरी के अनुसार कार्य हुआ या नहीं, इसकी जानकारी सर्वे करके नहीं दी। इसके बाद निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निर्देश देते हुए सभी उपयंत्रियों की एक - एक वेतन वृद्धि रोकने को कह दिया है।

नगर निगम द्वारा नागरिकों को भवन निर्माण हेतु दी जाने वाली भवन निर्माण अनुज्ञा के अनुरूप भवन निर्माण के बाद उपयंत्रियों को सर्वे करना होता है। इस सर्वे में यह देखा जाता है कि जो मंजूरी दी गई, निर्माण कार्य उसी अनुरुप हुआ है या नहीं। इसके लिए निगम आयुक्त ने सभी उपयंत्रियों को आदेश जारी करके अपने - अपने प्रभार वाले वार्डो में जाकर पूर्व में दी गई मंजूरी के पूरे हुए निर्माण कार्यों को देखने को कहा था, लेकिन किसी भी उपयंत्री ने इस कार्य को नहीं किया। इसके बाद गुरुवार को निगम आयुक्त झारिया ने सभी की एक - एक वेतन वृद्धि रोकने का फरमान जारी कर दिया।

यह है नियम

असल में मध्यप्रदेश नगर पालिक अधिनियम के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान हर एक पखवाड़े में जाकर उपयंत्री को देखना होता है कि जो मंजूरी दी गई उसी अनुसार कार्य चल रहा है या नहीं। इसके अलावा जब कार्य पूरा हो जाता है तब कम्पाउंडिंग की जानकारी याने की कार्य पूर्णता की जानकारी देना होती है। इसमे पूर्व में जारी मंजूरी के अनुसार निर्माण हुआ है या नहीं, इस बारे में बताना होता है। इसकी जानकारी ही देने को आयुक्त झारिया ने एक पखवाड़े पूर्व कहा था, लेकिन किसी उपयंत्री ने इस कार्य को नहीं किया। इसके बाद नगर निगम के उपयंत्री राजेश पाटीदार, बृजेश कुशवाह, मनीष तिवारी, बीएल चौधरी, सुहास पंडित, विकास मरकाम, सिद्धार्थ सोनी, दिक्षा मजूमदार, अनीता ठाकुर व राजेंद्र मिश्रा की वेतनवृद्धि रोकी गई है।

पत्रिका 26/11/21

उपयंत्रियों की एक-एक वेतन वृद्धि रोकी

रतलाम। नगर निगम के उपयंत्रियों द्वारा कम्पाउंडिंग की जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार समस्त उपयंत्रियों की एक-एक वेतनवृद्धि रोकी गई। नगर निगम द्वारा नागरिकों को भवन निर्माण के लिए दी जाने वाली भवन निर्माण अनुज्ञा के अनुरूप भवन निर्माण के पश्चात उपयंत्रियों द्वारा प्रतिवर्ष सर्वे किया जाता है कि अनुज्ञा धारक ने अनुज्ञा के पश्चात अतिरिक्त भवन निर्माण तो नहीं किया है। इसके लिए निगम आयुक्त द्वारा उपयंत्रियों से कम्पाउंडिंग की जानकारी चाही गई थी, लेकिन किसी भी उपयंत्री द्वारा कम्पाउंडिंग की जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर समस्त उपयंत्रियों की एक-एक वेतनवृद्धि रोकी गई।

नईदुनिया 26/11/21

स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 का नतीजा

मैदान में तो फेल था अब कागजों में भी फेल हो गया नगर निगम

रतलाम। आखिरकार वही हुआ, जिसका अंदाजा पहले से था। स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के नतीजे सबके सामने आ गए। इस बार नगर निगम के प्रचार से लग रहा था कि वह किसी ना किसी श्रेणी का पुरस्कार जरूर लाएगा, लेकिन उसने 'थोथा चना, बाजे घना' वाली कहावत चरितार्थ की। स्वच्छता के मामले में मैदानी स्तर पर फेल रहने के बाद नगर निगम कागजी तौर पर भी फेल साबित हो गया है।

इस बार के सर्वेक्षण के नतीजों से शहरवासी नगर निगम की हकीकत जानने के बावजूद विधायक चेतन्य काश्यप की सक्रियता के कारण उम्मीदें लगाए हुए थे,क्योंकि उन्होंने निगम अधिकारियों की बैठकें लेकर उन्हें लगातार स्वच्छता में अव्वल आने की सीख दी थी। श्री काश्यप ने अपने स्तर पर निगम को सफाई के साधन लाने में भी मदद की थी, लेकिन निगम अमले की नियत ना पहले कभी अव्वल आने की रही और ना ही विधायक के प्रयासों के कारण ऐसी रही।

नगर निगम के तमाम दावों के बाद रतलाम को स्वच्छता सर्वेक्षण में इस साल 1 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले 372 शहरों में रतलाम को 42 वां स्थान मिला है। 6000 अंकों के सर्वेक्षण में रतलाम 4000 अंक भी नहीं ला सका। उसे 3940 अंक ही मिले है। नगर निगम के ये परिणाम शहरवासियों को पहले ही पता थे, क्योंकि जमीनी स्तर पर सफाई कितनी हो रही है? ये सभी जानते हैं।

निगम अफसरों के दावों के बाद भी शहर में प्रतिदिन नियमित रूप से कचरा संग्रहण का कार्य नहीं हो रहा है। इससे जगह-जगह कचरे के ढेर लग रहे है। कचरा गाड़ियों में कहने को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रहने का नाम लिखा है, हकीकत में सारा कचरा एक साथ भरा जा रहा है। सर्वेक्षण के पहले निगम को पुराने कचरे को नष्ट करने का कार्य करना था, लेकिन जुलवानिया में कचरे का पहाड़ बन गया है और इसे नष्ट करने हेतु निगम के पास कोई योजना नहीं रही। कचरे से खाद बनाने के दावे भी हवाई निकले और जुलवानिया में बने कचरा स्थल पर कचरे को अलग-अलग करने का काम भी सिर्फ कागजों में सिमटा रहा।

..शेष पृष्ठ 2 पर

पृष्ठ 1 का शेष

निगम अमला शहर की सफाई के कार्य में नियमित सक्रिय भी नहीं रहता। उसे जब भी इस कार्य में लगाया जाता है, तब अफसरों को मोबाइल पर फोटो खींचकर भेजकर इतिश्री कर ली जाती है। जमीनी स्तर पर सर्वे किया जाए, तो पता चलेगा कि निगम के आधे सफाई कर्मी कथित तौर पर फर्जी मस्टरों पर ही उपस्थित हो रहे है। इससे मस्टरों में भले ही निगम का अमला हजारों में है, लेकिन मैदान में उपस्थिति सैंकड़ों में भी नहीं नजर नहीं आती।

नगर निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के नतीजे आने के बाद अगले साल मैदान में होने वाले सर्वेक्षण 2022 की तैयारियां शुरू कर दी है,लेकिन उसकी कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं आया तो नतीजे यूं ही ढाक के तीन पात रहेंगे। रतलाम को अव्वल लाने के लिए निगम को आमजन के साथ जुड़ना होगा, जब तक शहर में सफाई का वातावरण नहीं बनेगा, तब तक सफलता मिलना मुश्किल है। आमजन को सफाई से जोड़ने लिए नियमित व्यवस्थाएं देना और उनका पालन करने की जवाबदेही निश्चित होना जरूरी हैं

उपग्रह की आशंका सही साबित

स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के नतीजों

उपग्रह 26/11/21

वैक्सीन ड्यू हुए लोगों को फोन लगाने पर भी नहीं आ रहे

जिले में दो लाख से अधिक लोगों ने बनाई कोविड-19 वैक्सीनेशन दूसरे डोज से दूरी

वैक्सीनेशन में बाजना पिछड़ा तो रतलाम नंबर एक पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में कोविड-19 से सुरक्षा के लिए प्रशासन का पूरा जोर इन दिनों टीकाकरण पर है लेकिन जिन लोगों को यह टीका लगना है, वे ही इसमें लापरवाही बरतते नजर आ रहे हैं। ऐसे एक या दो लोग नहीं होकर दो लाख से अधिक लोग हैं। स्वास्थ्य विभाग की माने तो कोविड वैक्सीनेशन का दूसरा डोज ड्यू हो चुके लोगों को फोन लगाकर सूचित भी किया जा रहा है लेकिन वे इसमें लापरवाही बरतते नजर आ रहे है, जो कि गलत है।

वहीं दूसरी ओर बात करे अब तक जिले में हुए कोविड वैक्सीनेशन की तो पहला डोज 94 प्रतिशत से अधिक लोगों को लग चुका है। वहीं दूसरा डोज भी 69 प्रतिशत लोग लगवाकर सुरक्षित हो चुके है। जिले में कोविड वैक्सीनेशन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी हर दिन समीक्षा हो रही है। वर्तमान में जिले में वैक्सीनेश के दौरान सबसे बूरे हालात कहीं हैं तो वह बाजना क्षेत्र है। सभी विकासखंडों में यहां सबसे कम टीकाकरण हुआ है, जिसके चलते कलेक्टर द्वारा हर बार बाजना को वैक्सीनेशन पर जोर देने के निर्देश भी दिए जाते है लेकिन हालात बहुत ज्यादा नहीं बदल सके है। दूसरी ओर बेहतर काम कर अव्वल रतलाम शहर रहा है।

76.67 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति

24 नवंबर को 70030 हितग्राहियों को वैक्सीनेशन लगाए जाने का लक्ष्य था 53693 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। 2201 लोगों ने पहला डोज लगवाया है जबकि 51492 लोगों द्वारा दूसरा डोज लगवाया गया। सबसे कम वैक्सीनेशन रतलाम शहर में लगे है। शहर में 15 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य था जिसके विरूद्ध यहां पर 5552 लोगों को वैक्सीन लगे है। वहीं सबसे ज्यादा आलोट में टीके लगे है।

जिले में विकासखंडवार टीकाकरण के हाल

विकासखंड	लक्ष्य	पहला डोज	प्रतिशत	दूसरा डोज	प्रतिशत
आलोट	165665	157317	94.96	102241	64.99
बाजना	124432	95542	76.78	48994	51.28
जावरा	183908	186006	101.14	129093	69.40
पिपलोदा	104685	84408	80.63	63894	75.70
सैलाना	102111	94564	92.61	48028	50.79
रतलाम ग्रामीण	190934	181460	95.04	128150	70.62
रतलाम शहर	229178	240393	104.89	196079	81.57
कुल	1100912	1039690	94.44	716479	68.91

किस वैक्सीन के कितने डोज लगे

	पहला डोज	दूसरा डोज
कोविशिल्ड	950651	646688
कोवैक्सीन	87859	68623
स्पूतनिक वी	1180	1168

दूसरे डोज से वंचित लोग

विकासखंड	कोविशिल्ड	कोवैक्सीन	कुल
पिपलोदा	22514	1329	238
बाजना	21389	1437	228
सैलाना	14933	1764	166
आलोट	40144	1946	420
जावरा	35889	5489	413
रतलाम ग्रामीण	40605	5205	458
रतलाम शहर	21057	2354	234
कुल	196531	19524	216

पत्रिका

पत्रिका 26/11/21

पशु वाहन के 4 कर्मचारियों नोटिस

रतलाम। नगर निगम ने 4 कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया हैं। जानकारी के अनुसार निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निरीक्षण के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर आवारा पशु विचरण करते पाये जाने व पशु वाहन पर कार्यरत कर्मचारी द्वारा आवारा पशुओं को कहीं भी पकड़ते हुए नहीं पाये जाने पर एक दिवस का वेतन काटा जाकर सेवा से बर्खास्त किये जाने का कारण बताओं सूचना-पत्र जारी किया। कर्मचारी चरणसिंह-भारतसिंह, मेहफुज-कालेखां, रामा व पूनमचन्द-रतन द्वारा कार्य में लापरवाही बरते जाने पर कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया।

नवभारत 26/11/21

कलेक्टर ने की नागरिकों से अपील

कोरोना से संपूर्ण सुरक्षा प्राप्त करने के लिये वैक्सीन की दूसरी डोज शीघ्र लगवायें

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम ने जिले के सभी नागरिकों से कोरोना वायरस के संक्रमण से संपूर्ण सुरक्षा प्राप्त करने के लिये समीप के टीकाकरण केन्द्र जाकर वैक्सीन की दूसरी डोज शीघ्र लगवाने अपील की है। कलेक्टर ने अपील में कहा है कि शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने में जिले के प्रत्येक नागरिक को अपनी भागीदारी निभानी होगी। प्रत्येक व्यक्ति ड्यू हो जाने पर न केवल खुद पास के टीकाकरण केन्द्र जाकर वैक्सीन की दूसरी डोज लगवायें बल्कि अपने परिवार के सदस्यों, आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों तथा परिचितों एवं रिश्तेदारों को भी इसके लिये प्रेरित करें।

कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम ने बताया कि शत-प्रतिशत पात्र आबादी को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में वैक्सीनेशन सेंटर बनाये गये है।

18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवा अपना नाम वोटर लिस्ट में जुडवाये : कलेक्टर

रतलाम। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2022 के मान से फोटो निर्वाचनक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2022 का प्रारूप प्रकाशन 1 नवम्बर, 2021 को किया जा चुका है। आयोग के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगामी 30 नवम्बर तक दावे और आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि निर्धारित है।

कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम ने अपील की है कि इस अवधि में जिले के ऐसे युवा जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वह बी.एल.ओ. से फार्म प्राप्त कर अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकते है। सभी बीएलओ गरूड एप के माध्यम से ही फार्म भरवाएंगे, मेनुअल फार्म न भरकर ऑनलाईन ही फार्म भरेंगे।

सिंहम २५/११/२१

संभल जाएं... अब भी पार्किंग लाइन के बाहर दिख रहे हैं वाहन

न्यू वलाथ मार्केट

गर्ल्स कॉलेज क्षेत्र

रतलाम | शहर में पार्किंग लाइन के बाहर खड़े होने वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई शुरू हो गई है। हालांकि, लोगों में डर अब भी नहीं दिख रहा। शहर के अलग-अलग इलाकों में पार्किंग लाइन के बाहर खड़े वाहनों की तस्वीर दिख रही है। ट्रैफिक प्रभारी मोनिका सिंह ने बताया पहले समझाइश दी थी, पार्किंग लाइन के बाहर खड़े होने वाले वाहनों पर कार्रवाई हो रही है। भास्कर

दै. भास्कर 26/11/21

दौड़ने लगे नामांतरण फाइलों के बंडल, आज कार्रवाई संभव, मामला संपत्तिकर विभाग का

भास्कर संवाददाता | रतलाम

नामांतरण करने के नाम पर आम लोगों की जेब ढीली करने में लगे नगर निगम के संपत्तिकर विभाग के अमले की लापरवाही गुरुवार को छूमंतर हो गई। अब तक एक तरफ रखे 110 से ज्यादा प्रकरणों की फाइलों के बंडल दौड़ पड़े हैं। प्रकरणों की लंबी पेंडेंसी के दैनिक भास्कर द्वारा किए खुलासे से अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि पूर्व सहायक आयुक्त नीता जैन के नक्शे कदम पर चल रही सहायक आयुक्त ज्योति सुनारिया ने ऑफिस पहुंचते ही कर्मचारियों से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेकर फाइलों को तत्काल आगे बढ़ाने को कहा। इतना ही नहीं खुद ने हस्ताक्षर करके कई प्रकरण निपटाए। उधर, आयुक्त सोमनाथ झारिया ने मामले में एक्शन लेने की तैयारी कर ली है। शुक्रवार को कार्रवाई हो सकती है।

सारे उपयंत्रियों की एक वेतन वृद्धि रोकी

उधर, गुरुवार को आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निगम के उपयंत्रियों पर कार्रवाई करते हुए वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई कर दी है। आयुक्त ने उपयंत्रियों से कंपाउंडिंग की जानकारी मांगी थी लेकिन एक उपयंत्री ने जानकारी नहीं दी। बता दें भवन निर्माण परमिशन देने के बाद उपयंत्रियों द्वारा सर्वे किया जाता है। देखा जाता है कि परमिशन के अतिरिक्त तो किसी ने निर्माण नहीं कर लिया।

दै. भास्कर २६/११/२१

राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषित किया वार्षिक पुनरीक्षण मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम

रतलाम। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण हेतु मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम घोषित किया है। यह संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम उन ग्राम पंचायतो के लिये ही होगा, जो अध्यादेश से प्रभावित हुई है। साथ ही पुनरीक्षण अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं को यथोचित स्थान पर प्रविष्ट करने तक ही सीमित होगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अनुसार 25 से 28 नवम्बर तक पूर्व परिसीमन के आधार पर नये क्षेत्र का चिन्हांकन, मतदाताओं को क्षेत्रवार कन्ट्रोल टेबल में यथास्थान लिंक करना एवं उनका वेरीफिकेशन करना, फोटो रहित और फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची जनरेट करना तथा उसे वेबसाइट पर अपलोड करने का कार्य किया जायेगा। प्रारूप मतदाता सूची का ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थानो पर सार्वजनिक प्रकाशन 29 नवम्बर को कर 3 दिसम्बर तक दावे-आपत्ति प्राप्त किये जायेंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 4 दिसम्बर तक कर अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 6 दिसम्बर को किया जायेगा।

सिंघम 25/11/21

अठारह बरस वाले नाम जुड़वाएं

रतलाम, नप्र। अठारह बरस की आयु पूरी करने वाले युवा मतदान सूची में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने ऐसे युवाओं से अपील की है कि बीएलओ से फार्म लेकर अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी बीएलओ गरुड एप के माध्यम से ही फार्म भरवाएंगे।

मेनुअल फार्म नहीं भरकर ऑन लाईन ही फार्म भरेंगे। चुनाव आयोग के निर्देश पर 1 जनवरी के मान से फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का प्रारूप प्रकाशन 1 नवम्बर को किया जा चुका है। आगामी 30 नवम्बर तक दावे और आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि तय की गई है।

प्रभातकिरण 25/11/21